BA Part II (H)
Paper III

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

Lecture I

अनुसूचित जाति (Scheduled Caste) ⇒ अनुसूचित जाति शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 1935 में साइमन आयोग द्वारा किया गया। अनुसूचित जातियां उन जाति समूहों को कहा जाता है, जो जाति प्रथा के अन्तर्गत निम्नतम स्थिति में मानी जाती है। यह इन जातियों का नवीनतम नाम है। इन जातियों को समय-समय पर विभिन्न नामों से पुकारा गया है। इन्हें कभी अस्पृश्य जातियां या दलित भी कहा जाता था।

दलित जाति से तात्पर्य उस ऐसी जाति से था जिन्हें सभी तरह के अधिकारों से वंचित करके उनका अमानवीय शोषण किया जाता है। साधारणतः अनुसूचित जाति का अर्थ उन जातियों से लगाया जाता है जिनका उल्लेख -

2020-7-22 16:21

धार्मिक, सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक सुविधाएं दिलाने के लिए संविधान की अनुसूची में किया गया।

1931 में जो जनगणना हुई, उस समय आसाम प्रांत के जनगणना अधीक्षक ने सरकार को सुझाव दिया कि ये जातियां हिन्दू समाज से बिल्कुल अलग है, ये हिन्दू समाज से बहिष्कृत है, अतः इनका नाम बहिष्कृत जातियां रखा जाना चाहिए। परन्तु गांधी जी के हस्तक्षेप से इन जातियों को हिन्दू मान लिया गया तथा इनका नाम हरिजन रखा गया। भारत में लगभग 17 करोड़ जनसंख्या अनुसूचित जाति की है। सबसे अधिक जनसंख्या अनुसूचित जातियां की उत्तर प्रदेश में है।

2020-7-22 16:21